AUDIO VIDEO Play

भजन

तर्ज–अपने होठों पर सजाना चाहता हूं

अपनी रूहों को मैं लेने आ गया हूं
सुख अर्श के मैं वो देने आ गया हूं

1–भूल बैठे थे जिसे तुम यहां पे आकर
वो हकीकत याद दिलाने आ गया हूं

2–कितने बदले तन यहां खातिर तुम्हारे
भेद ये तुमको बताने आ गया हूं

3–तुम ना समझे थे ना समझा है मुझे
कौन हूं मैं खुद बताने आ गया हूं

4–आखिरी है वक्त अब ये जान लो तुम
अब तुम्हे मैं घर ले जाने आ गया हूं

5–रह नही सकता हूं मैं तो बिन तुम्हारे
राज है ये इसलिए मैं आ गया हूं